मूल्य 1 रु.

वर्षः 12 - अंक : 258, मुंबई, सोमवार, 28 नवंबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

मुंबई एयरपोर्ट पर डीआरआई की बड़ी कार्रवाई

50 करोड़ रुपये की ड्रग्स बरामद

मुंबई। मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस ने दो विदेशी नागरिकों को पचास करोड़ ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है। डीआरआई ने इन दोनों के पास से 8 किलो हेरोइन बरामद किया है इस ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत तकरीबन 50 करोड़ है। डीआरआई को एक खुफिया जानकारी मिली थी कि दो पैसेंजर ड्रग्स की तस्करी के लिए मुंबई शहर आने वाले हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दो विदेशी नागरिक गिरफ्तार

महाराष्ट्रः चंद्रपुर में रेलवे स्टेशन पर बड़ा हादसा

फुटओवर ब्रिज का बड़ा हिस्सा ढहा

20 हुए घायल, 8 की हालत गंभीर

चंद्रपुर। रविवार को महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के बल्लारशाह रेलवे स्टेशन पर बड़ा हादसा हो गया। बल्लारशाह रेलवे स्टेशन पर बना फुट ओवरब्रिज का एक स्लैब गिर गया। इस पुल की ऊंचाई करीब 60 फीट थी। हादसे के समय कई यात्री इससे गुजर रहे थे। पुल का स्लैब टूटते ही यात्री 60 फीट नीचे रेलवे ट्रैक पर गिर गए। इस हादसे में 20 लोग घायल हो गए। इनमें से 8 की हालत गंभीर बताई जा रही है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

छात्रा से आश्रम संचालक ने किया रेप

जांच हुई तो 5 और लड़कियों ने लगाया दरिंदगी का आरोप

नासिक। देशभर में बाल आश्रम से अक्सर छात्राओं के साथ यौन शोषण के मामले सामने आते रहते हैं। ताजा मामला महाराष्ट्र के नासिक जिले का है, जहां एक आश्रम संचालक पर पांच नाबालिग सहित छह छात्राओं के साथ यौन शोषण करने का आरोप लगा है। मामले में तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी आश्रम संचालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। साथ ही उस पर पांच अलग-अलग धाराओं में मामले दर्ज किए गए हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

छात्र की बांह पर ड्रिल मशीन चलाने वाला शिक्षक नौकरी से निष्काशित

(समाचार पृष्ठ 6 पर)

कोल्हापुर में 4 लड़कियों को सेल्फी लेना पड़ा भारी

वाटरफॉल में डूबने से हुई मौत

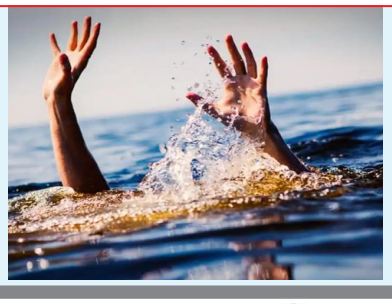

कोल्हापुर। सेल्फी के दौर में लोग फोटो खिंचाने के लिए हर समय तैयार रहते हैं। हालांकि कभी-कभी ये सेल्फी लेना कुछ लोगों के लिए भारी पड़ जाता है। इसका ताजा उदाहरण कोल्हापुर में देखने को मिला है, जहां चार लड़कियों को पानी के पास सेल्फी लेना महंगा पड़ गया है। पुलिस ने बताया कि कर्नाटक के बेलगावी की चार कॉलेज स्टूडेंट्स शनिवार दोपहर महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले की चांदगढ़ तहसील के किवाड़ वाटरफॉल में सेल्फी लेने की कोशिश कर रही थी और पैर फिसलने से डूब गईं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल जरूरी सूचना

सभी को सुचित किया जाता है कि अगर दै. मुंबई हलचल के नाम पर कोई व्यक्ति संवाददाता बता कर आपसे कोई भी गलत व्यवहार करता है तो आप तुरंत अपने स्थनीय पुलिस स्टेशन में जाकर उस व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराये, अगर आप उस व्यक्ति से कोई लेन-देन करते हैं तो उसका जिम्मेदार आप खुद होंगे.

धन्यवाद...संपादक

आप दै. मुंबई हलचल के कार्यालय में नीचे दिये गये नंबर पर संपर्क कर सकते हैं

9820961360

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

भारत का इतिहास कैसे लिखें?

असम के महान सेनापति लाचित बरफुकन की 400 वीं जयंति पर बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारतीय इतिहास को फिर से लिखा जाना चाहिए। यही बात कुछ दिनों पहले गृहमंत्री अमित शाह ने भी कही थी। उनके इस कथन का अर्थ यह लगाया जा रहा है कि अभी तक भारत का जो प्राचीन, मध्यकालीन और अवार्चीन इतिहास लिखा गया है, उसे रद्द करके संघी और जनसंघी रंग में रंगकर सारे इतिहास को नए ढंग से पेश करने का षड़यंत्र रचा जा रहा है। भारत के इतिहास को भी दो खानों में बांटने की कोशिश की जा रही है। एक वामपंथी और दूसरा दक्षिणपंथी। यह ठीक है कि प्रत्येक इतिहासकार इतिहास की घटनाओं को अपने चश्मे से ही देखता है। इस कारण उसके अपने रूझान, पूर्वाग्रह और विश्लेषण-प्रक्रिया का असर उसके निष्कर्षों पर अवश्य पड़ता है। इसीलिए हम देखते हैं कि एक इतिहासकार अकबर को महान बादशाह बताता है तो दूसरा उसकी ज्यादतियों को रेखांकित करता है, एक लेखक इंदिरा गांधी को भारत के प्रधानमंत्रियों में सर्वश्रेष्ठ बताता है तो दूसरा उन्हें सबसे अधिक निरंकुश शासक सिद्ध करता है। इस तरह के दोनों पक्षों में कुछ न कुछ सच्चाई और कुछ न कुछ अतिरंजना जरुर होती है। यह पाठक पर निर्भर करता है कि वह उन विवरणों से क्या निष्कर्ष निकालता है। भारत में इतिहास-लेखन पर सोवियत संघ, माओवादी चीन और कास्त्रो के क्यूबा की तरह कभी कोई प्रतिबंध नहीं रहा। यह ठीक है कि मुगल काल और अंग्रेजों के राज में जो इतिहास-लेखन हुआ है, वह ज्यादातर एकपक्षीय हुआ है लेकिन अब बिल्कुल निष्पक्ष लेखन की पूरी छूट है। हमारे इतिहासकार यदि यह बताएं कि विदेशी हमलावर भारत में क्यों सफल हुए और इस सफलता के बावजूद भारत को वे तुर्की, ईरान व अफगानिस्तान की तरह पूरी तरह क्यों नहीं निगल पाए तो उनका बड़ा योगदान माना जाएगा। यदि सरकारी संस्थाएं इतिहास को अपने ढंग से लिखने का अभियान चला रही हैं तो कई गैर-सरकारी संगठन भी इस दिशा में सक्रिय हो गए हैं। इन दोनों अभियानों का ध्यान भारतीय इतिहास के उन नायकों पर भी जाए, जो लाचित बरफुकन की तरह उपेक्षित रहे हैं तो भारतीय जनता के मनोबल में अपूर्व वृद्धि होगी। जैसे मानगढ़ के भील योद्धा गोविंद गुरू, बेंगलूरू के नादप्रभु केंपेगौडा, आंध्र के अल्लूरी सीताराम राजू, बहराइच के महाराजा सुहेलदेव, रांची के योद्धा बिरसा मुंडा, म.प्र. के टंट्या भील और 1857 के अनेक वीर शहीदों का स्मरण किया जाए तो भारतीय इतिहास के कई नए आयाम खुलेंगे। इसी तरह संपूर्ण दक्षिण, मध्य और आग्नेय एशिया में भारत के साधु-संतों, विद्वानों, वैद्यो और व्यापारियों ने जो अद्भुत छाप छोड़ी है, उस पर भी अभी बहुत काम बाकी है। वह वर्तमान खंडित भारत का नहीं, संपूर्ण आर्यावर्त्त का इतिहास होगा। इसी प्रकार अंग्रेजी-शासन के विरुद्ध भारत के क्रांतिकारियों ने भारत में रहकर और विदेशों में जाकर जो अत्यंत साहसिक कार्य किए हैं, उन पर भी अभी काम होना बाकी है। प्राचीन भारत का प्रभाव पूरे एशिया और यूरोप में कैसा रहा है और हमारी विद्याओं का विश्व के विकास में क्या योगदान रहा है, इसे भी अभी तक ठीक से रेखांकित नहीं किया गया है। इसे सभी रंगों के इतिहासकारों को मिलकर करना होगा।

गुजरात को ऐसे जीतना क्या जीतना?

नरेंद्र मोदी गुजरात जीतेंगे लेकिन योगी आदित्यनाथ के बूते यदि जीते तो मोदी-शाह के लिए क्या डूबने वाली बात नहीं? यदि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के वोटों के बंटने से जीते तो वह क्या जीते? लगभग हर दिन प्रधानमंत्री की रैलियों तीन महीने से लगातार प्रचार, पूरे देश के भाजपा नेताओं की कथित कॉरपेट बाम्बिंग, विपक्ष के उम्मीदवारों को तोड़ने से लेकर पानी की तरह पैसा बहाने के तमाम हथकंडों के बावजूद यदि कांग्रेस 40-50 सीट जीत जाए, भाजपा के वोट 40 प्रतिशत तक गिर जाएं और आप 20-25 प्रतिशत वोट पा जाए तो वह क्या नरेंद्र मोदी की वाहवाही वाली जीत होगी?

सोचें, कल्पना करें कि जिस गुजरात में 27 साल से हिंदू राज है। नरेंद्र मोदी का कथित विकास मॉडल है वहां अरविंद केजरीवाल की फ्री बिजली या हजार रुपए मुफ्त जैसी रेवड़ियों का शहरी गुजराती दिवाना दिखलाई दे। केजरीवाल से मोदी-शाह इतने घबराएं कि उसी वक्त में दिल्ली में एमसीडी के चुनाव करवाएं। और एक नगरपालिका के चुनाव में केंद्र के मंत्री से लेकर चार-चार मंत्री एक साथ प्रचार करते हुए दिखें। अरविंद केजरीवाल एंड पार्टी को गुजरात छोड़ कर दिल्ली के चुनाव के लिए लौटना पड़े।

पर मेरा मानना है कि दिल्ली हो या गुजरात या हिमाचल प्रदेश हर तरफ नरेंद्र मोदी अपनी प्रतिष्ठा दांव पर लगाने, साम-दाम-दंड-भेद सब कुछ झोंकने के बावजूद चुनाव जीतते हुए भी हारेंगे। इसलिए कि असली हार-जीत तो तब होती है जब खेल ईमानदार हो। गुजरात और उसके प्रमुख गढ़ सूरत में क्या नौबत जो आप पार्टी को अपने उम्मीदवार के अपहरण की चिंता करनी पड़ी। ये चुनाव ऐसे ही हैं कि यदि फुटबॉल विश्व कप में मोदी की कप्तानी में शाह, जेपी नड्डा, योगी की टीम खेल रही होती तो दुनिया देखती कि इस टीम ने इग्लैंड के खिलाडियों को खरीद लिया, किसी को पैसे दिए, किसी का अपहरण किया, उनका खाना-पानी गायब कर दिया और हर खिलाड़ी को डरा दिया कि यदि तुमने खेला तो ईडी-सीबीआई छोड़ देंगे। सचमुच नरेंद्र मोदी के लोकतंत्र में चुनाव, जबरिया चुनाव हो गए हैं। हर तरह की नौटंकी, जबरदस्ती का चुनाव। बस, जीतना है तो सब कुछ लुटा कर मतलब सत्य-संस्कार-चरित्र, ईमानदारी-खेल की भावना आदि को दांव पर लगा कर बस जीत जाओ। विपक्ष के पास नहीं रहने दो, उसके तैयार हुए खिलाड़ी को खरीद लो, उनका खर्चा-पानी खत्म कर दो, रेफरी को खरीदे रखो, एकतरफा नारेबाजी-तालियां बजवाओ और आखिर में रेफरी से घोषणा करवा दो कि नरेंद्र मोदी भारत केसरी, गुजरात केसरी, हिंदू केसरी! हैरानी की बात है कि ऐसे खेले से मोदी-शाह उबते हुए नहीं हैं? कल्पना करें कि ब्रिटेन में चुनाव और राजनीति मोदी-शाह जैसी हो जाए, ऋषि सुनक चुनाव जीतने का फॉर्मूला मोदी का अपना लें तो क्या होगा? या दुनिया के ओलंपिक, विश्व फुटबॉल कप के मालिक मोदी-शाह बन जाएं वे अपनी हिंदू शैली में खेल-खिलाड़ियों के आयोजन करवाएं तो अपनी टीम को कैसे जितवाएंगे? पैसे से सौदे-धंधे करेंगे? खिलाड़ियों को खरीदेंगे? खिलाड़ियों के पीछे ईडी-सीबीआई को छोड़ेंगे मगर होगा वहीं, खेल उसी फिक्स अंदाज में जैसे भारत के चुनाव हो रहे हैं!

गुजरात से सुनाई दे रहा है कि जीतेंगे तो मोदी? क्यों? इसलिए क्योंकि वे हार नहीं सकते? क्या महंगाई है? हां, है! क्या बेरोजगारी है? हां, है? क्या तकलीफें हैं? बहुत ज्यादा? तब वोट किसको देंगे? भाजपा को, कमल को! मोदी जीतेगा। मतलब मानो सब पूर्व निर्धारित! मैदान में दूसरा कोई है ही नहीं! सामने न कांग्रेस और न आप किसी में खेलने, ताकत लगाने, उम्मीदवारों में दम फूंकने, मतदान के दिन तक जी जान से मेहनत करने की क्षमता है ही नहीं!

मोदी के बनाए गुजरात में है क्या?

नरेंद्र मोदी का नारा है मैंने गुजरात बनाया! सोचें जरा गुजरात के सृष्टिकर्ता नरेंद्र मोदी के बनाए गुजरात में गुजरातियों के जीवन पर! कैसा जीवन गुजरा है पिछले पांच सालों में? या 27 साला भाजपा राज में? निश्चित ही सत्य है कि गुजरात में अब दंगे नहीं होते। मुस्लिम आबादी खोल में दुबकी हुई है। लेकिन हिंदुओं का ही जीवन क्या है? कोरोना काल में सर्वाधिक लावारिस मौतों का प्रदेश था गुजरात! आम आदमी के मेडिकल और शिक्षा, रोजगार के मामले में सर्वाधिक भूखा गुजरात। अंग्रेजों के बनाए पुल की देख-रेख तक मे नाकाबिल सरकार! बेरोजगारी के प्रतिनिधि चेहरे हार्दिक पटेल से गुजराती यूथ की लाचारगी और खौफ में घुटने टेकने वाले असमर्थ नौजवान!

प्रदेश पूरी तरह से एक नेता की उंगलियों पर नाचने को मजबूर और मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक और भाजपा नाम की पूरी पार्टी बेगैरत-बेमतलब। मोदी कहें मैंने बनाया तो सब गर्दन हिलाते हुए जी हुजूर, जी मालिक। न स्वाभिमान, न मान और सम्मान लोकतांत्रिक प्रक्रिया का तो खैर सवाल ही नहीं उठता। पिछले 27 सालों में और खासकर पिछले पांच सालों में गुजरात में क्या हुआ? वहीं हुआ जो नरेंद्र मोदी ने चाहा। और उन्होंने क्या चाहा? मैं तुम्हारा भगवान! और दिल्ली में अपनी तीसरी आंख से गुजरात का राज करते हुए नरेंद्र मोदी! जब चाहा तब मुख्यमंत्री हटाया। जब चाहा पूरे कैबिनेट सहित सीएम की बरखास्तगी। एक भी गुजराती नेता, भाजपा नेता की चूं करने की हिम्मत नहीं! तभी नरेंद्र मोदी का मानना सौ टका सही है कि मैं हूं गुजरात का मालिक। फिर भले गुजराती अंबानी हो या अडानी या कोई एक्सवाईजेड अरबपति तो सत्ता के सेठ अमित शाह हों या भूपेंद्र पटेल सब के ईश्वर नरेंद्र मोदी ही हैं। इनमें से एक भी गुजराती कहने की जरूत नहीं कर सकता है कि वे नरेंद्र मोदी की कृपा से नहीं हैं, बल्कि अपने बूते हैं!

सचमुच पिछले पांच सालों में बतौर सृष्टिकर्ता नरेंद्र मोदी ने गुजरातियों को जैसे हांका है, दिल्ली से गांधीनगर और प्रदेश का जैसे भाग्य निर्धारित हुआ है उससे यह समझ में आता है कि गोरी-गजनी के असंख्य बार सोमनाथ मंदिर को लूटने की कोर वजह क्या थी? क्यों कर महात्मा गांधी का औजार अंहिसा था? क्यों कर नरेंद्र मोदी की मनोदशा ने उनसे इंडिया गेट पर गांधी व पटेल के बजाय सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति लगवाई। मैं भटक रहा हूं। मोदी और गुजरातियों की वैष्णव मनोदशा, समर्पण-भक्ति और सबसे बड़े रुपए की तासीर का मामला या हिंदू गुलामी कालखंड के डीएनए का है। लेकिन मोदी की यह गर्वोक्ति बहुत गहरी है जो नरेंद्र मोदी मानते हैं और गुजराती भी मान रहे हैं कि उन्होंने गुजरात बनाया!

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मुंब्रा शहर में बढ़ते खसरे के खतरे को देखते हुए मनपा आयुक्त अभिजीत बांगर द्वारा ली गई एमएमवैली स्थित सरकारी अस्पताल में जनसभा

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंब्रा। मुंब्रा शहर में बढ़ते खसरे के खतरे को देखते हुए मनपा आयुक्त अभिजीत बांगर द्वारा एमएम वैली स्थित सरकारी अस्पताल में एक जनसभा ली गई जिस को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि शहर में जिस तरह से खसरे का खतरा बढ़ रहा है उसको देखते हुए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं हम लोगों द्वारा डोर टू डोर विजिट कर जांच की जा रही है जिस बच्चे के अंदर खसरे के लक्षण पाय जाएंगे उन बच्चों को तत्काल सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा उन्होंने बताया के खसरे का खतरा उन बच्चों को ज्यादा है जिन्होंने वैक्सीन नहीं लिया है इसलिए हमारे अस्पताल में वैक्सिंग केंद्र लगाए गए हैं जहां पर बच्चों को वैक्सीन दिया जा रहा है और जनप्रतिनिधियों द्वारा अलग-अलग जगहों पर बच्चों को वैक्सीन देने के लिए केंद्र लगाए गए ताकि बच्चे वैक्सीन लेने के बाद खसरे के खतरे से सुरक्षित रह सके

उन्होंने बताया चार हेल्थ सेंटर पर वैक्सिंग का बड़ा प्रकोप है इस पर नियंत्रण पाने के लिए मनपा प्रशासन की तरफ से पूरी कोशिश की जा रही है हमने चारों हेल्थ सेंटर पर वैक्सीन और कैल्शियम ए की खुराक की अतिरिक्त संख्या बढ़ाई गई है और एंबुलेंस की सुविधा प्रधान की है सरकारी अस्पताल की तारीफ करते हुए कहा कि बहुत जल्द इस सरकारी अस्पताल में तमाम सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी लेकिन फिलहाल यह सुविधा निजीकरण करने के बाद दी जाएगी या मनपा प्रशासन द्वारा इस अस्पताल को चलाया जाएगा इसके बारे में कहा कि फिलहाल इस पर अभी विचार नहीं किया गया है हमारे लिए सबसे पहली प्राथमिकता यह है यह सरकारी अस्पताल को शुरू किया जाए जिसमें अच्छे डॉक्टर और नर्स की और तमाम मशीनों की सुविधाएं प्रदान की जाएंगी कि लेकिन जिस प्रकार आज सरकारी अस्पताल में मेटरनिटी वार्ड की शुरूआत तो की गई है लेकिन गर्भवती महिलाओं के लिए किसी प्रकार की सुविधा यह पर्याप्त नहीं है जिसको लेकर महिलाओं को कलवा छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में भेज दिया जाता है उस पर अभिजीत बांगर ने कहा है बहुत जल्द यहां पर बेहतर सुविधाएं प्रदान की जाएंगी बेहतरीन गाइनिक डॉक्टर और नॉर्मल डिलीवरी के साथ-साथ सीजर ऑपरेशन की भी सारी सुविधाएं यहां पर जल्द ही प्रदान की जाएंगी लेकिन जिस प्रकार बढ़ते खसरे के खतरे को देखते हुए उन्होंने लोगों से अपील की गई कि हमारे कर्मचारी अगर आप के दरवाजे तक आते हैं तो उनको सहयोग करें और उन्होंने तमाम सामाजिक संस्थाओं से भी और जनप्रतिनिधि से भी अनुरोध किया है कि उनका सहयोग करें इस अवसर पर मनपा प्रशासन के तमाम पदाधिकारी और पूर्व नगरसेवक समाज सेवक और डॉक्टरों की टीम की उपस्थिति में यह जनसभा की गई।

26/11 आतंकी हमले में शहीद हुए 18 पुलिसकर्मियों को सामाजिक संस्था और राजनीतिक दल द्वारा दी गई श्रद्धांजलि

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंब्रा। गत 26 नवंबर शनिवार सामाजिक संस्था और राजनीतिक दल द्वारा 26/11 आतंकी हमले में शहीद हुए 18 पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी गई आपको बताते चलें 26 नवंबर 2008 में लश्कर-ए-तैयबा के 10 दहशतगर्दी द्वारा आतंकवादी हमला किया गया था इस हमले में 160 लोगों ने अपनी जान गवाई और तकरीबन 300 से ज्यादा लोग इस आतंकवादी हमले में घायल हुए थे इस आतंकवादी हमले में जवाबी कार्रवाई में 18 पुलिस कर्मी शहीद हुए थे और 10 आतंकवादियों में से 9 के मारे जाने की खबर सामने आई थी और एक आतंकवादी कसाब को जिंदा पकड़ लिया गया था और उसके बाद उसको फांसी की सजा दी गई आज का यह दिन पूरे देश में काला दिवस की याद में मनाया जाता है इस मौके पर कई सामाजिक संस्था राजनीतिक दल द्वारा मोमबत्ती जलाकर तमाम शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई ठाकुरपाड़ा परिसर स्थित जाफरी वेलफेयर

सोसाइटी मैं इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें शिया समुदाय के उलमा द्वारा अपनी प्रतिक्रिया देते हुए इस आतंकी हमले की कड़ी निंदा की गई और शहीद हुए 18 पुलिसकर्मी की याद में जमकर तकरीर की गई उन्होंने कहा जो भी देश में आतंकवाद फैलाने की कोशिश कर रहे हैं उन लोगों को गिरफ्तार करना चाहिए और उन पर कानूनी कार्रवाई करना चाहिए यह कार्यक्रम 11 बजे से शुरू होकर 1 बजे इसका समापन किया गया इस अवसर पर समाज सेवकों ने मोमबत्तियां जलाकर 18 शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की वहीं दूसरी ओर एमआईएम पार्टी द्वारा शाम 6:30 मुंब्रा बाजार विट्ठल मंदिर के पास 18 पुलिस कर्मियों द्वारा आतंकी हमले में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की इस अवसर पर कलवा मुंब्रा की विधानसभा अध्यक्ष सैफ पठान ने अपनी प्रतिक्रिया पेश की और आतंकी हमले में शहीद हुए तमाम लोगों को मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की इस अवसर पर उनके साथ सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मुंबई एयरपोर्ट पर डीआरआई की बड़ी कार्रवाई

जिसके बाद डीआरआई अधिकारियों ने जाल बिछाकर आरोपियों को अपने कब्जे में लिया और जब उनसे कड़ी पूछताछ हुई तो उन्होंने ड्रग्स होने की बात को कबूल किया। दोनों आरोपियों ने पहले जांच एजेंसी को बरगलाने का प्रयास किया लेकिन जब उनके सामान की तलाशी ली गई, तब उनके पास चार चार- चार किलो के दो पैकेट मिले। जिसमें सफेद पाउडर था जब उस पाउडर की जांच की गई तो वह हाई क्वालिटी का हीरोइन ड्रग्स था। डीआरआई ने दोनों ही आरोपियों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, मामले की आगे की जांच शुरू है। डीआरआई के अधिकारी इस बात की तफ्तीश में भी जुटे हुए हैं कि दोनों ड्रग तस्कर किस स्मगलिंग सिंडिकेट से जुड़े हुए थे।

महाराष्ट्रः चंद्रपुर में रेलवे स्टेशन पर बड़ा हादसा

मौके पर युद्ध स्तर पर राहत कार्य जारी है। वहीं, इस हादसे में घायल हुए लोगों को फौरन नजदीक के हॉस्पिटल पहुंचाया गया है। इस हादसे के बाद पुलिस और फायरब्रिगेड की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। खबर के मुताबिक, बल्लारशाह रेलवे स्टेशन पर काजीपेट पुणे एक्सप्रेस पकड़ने के लिए कई यात्री प्लेटफार्म नंबर 1 से 4 पर जा रहे थे। इसी दौरान अचानक इस पुल का एक स्लैब गिर गया। ब्रिज की उंचाई करीब 60 फिट थी और जिस दौरान ये हादसा हुआ उस समय पुल पर लगभग 80 लोग मौजूद थे। बता दें कि चंद्रपुर जिले के बल्लारशाह स्टेशन में 20 से अधिक घायल होने की खबर मिली है। जहां चंद्रपुर के बल्लारशाह रेलवे स्टेशन पर रेलवे फुट ओवर ब्रिज का स्लैब अचानक गिर गया। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, गिरने से दस पैसेंजर्स घायल हो गए, जिसमें से कुछ यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हालांकि, बल्लारशाहरेलवे स्टेशन के अधिकारी और स्टाफ इन सभी घायल यात्रियों का सहयोग कर रहे हैं। इस समय बल्लारशाह रेलवे स्टेशन और ग्रामीण हॉस्पिटल क्षेत्र में भीड़ है।

छात्रा से आश्रम संचालक ने किया रेप

नासिक के डीसीपी किरण कुमार चव्हाण ने बताया कि 23 नवंबर को एक आश्रम चलाने वाले हर्षल मोरे के खिलाफ नासिक में एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार करने की शिकायत दर्ज की गई थी। पूछताछ के बाद पता चला कि उसने पांच और लड़कियों के साथ रेप किया है। इस पर जांच की गई। जांच के बाद हर्षल मोरे के खिलाफ आईपीसी, पॉक्सो एक्ट और एससी-एसटी एक्ट के तहत आज पांच अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। पुलिस ने आरोपी हर्षल मोरे को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, नाबालिग छात्रा की शिकायत को पुलिस गंभीरता से लिया। पुलिस ने आश्रम में पढ़ने वालीं दूसरी छात्राओं से भी पूछताछ की। पूछताछ में पांच लड़कियों ने आश्रम संचालक हर्षल मोरे के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए। डीसीपी किरण कुमार चव्हाण ने कहा कि आरोप लगाने वालीं छह में से पांच लड़कियां नाबालिग हैं। बता दें, महाराष्ट्र में यह कोई पहला मामला नहीं है। इसी साल अगस्त में चंद्रपुर में एक आश्रम स्कूल के अधीक्षक पर नाबालिग छात्रा ने रेप का आरोप लगाया था, जिसके बाद पुलिस ने अधीक्षक को गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले की जांच के लिए एक एसआईटी टीम का गठन किया गया था।

कोल्हापुर में 4 लड़कियों को सेल्फी लेना पड़ा भारी

इन मृतकों की पहचान अंगे गांव के कुदरशिया हस्म पटेल (20), उज्ज्वल नगर निवासी आसिया मुजावर (17), झटपट कॉलोनी की रुक्काशा भिस्ती (20) और तस्मिया (20) के तौर पर हुई है। पुलिस ने बताया कि डूबने वाली लड़कियों में से एक लड़की बच गई है, जिसे कर्नाटक के बेलगावी के सरकारी हॉस्पिटल में एडमिट किया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। बता दें कि चांदगढ़ थाने में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने अपनी शुरूआती जांच में बताया कि बेलगावी की 40 लड़कियों का एक ग्रुप किवाड़ वाटरफॉल पर पिकनिक मनाने गया था।

मुंबई के बीकेसी में आयोजित संगीत समारोह के दौरान 40 से ज्यादा मोबाइल फोन चोरी

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में आयोजित एक संगीत कार्यक्रम के दौरान कुछ अज्ञात लोगों ने 40 से अधिक महंगे मोबाइल फोन चुरा लिए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। बीकेसी पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार रात एमएमआरडीए ग्राउंड में आयोजित संगीत समारोह के दौरान उसमें शामिल होने वालों में से कई लोगों ने पुलिस से शिकायत की कि उनके मोबाइल फोन गुम हो गए हैं या चोरी हो गए हैं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन टिकट बुक करने के बाद सैकड़ों लोगों ने संगीत समारोह में भाग लिया था और कार्यक्रम स्थल लोगों से खचाखच भरा हुआ था। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने कार्यक्रम स्थल पर 40 से अधिक महंगे मोबाइल फोन चोरी होने या गुम हो जाने के बाद भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 379 और अन्य संबंधित प्रावधानों के तहत चार से पांच प्राथमिकी दर्ज की हैं। अधिकारी के मुताबिक पुलिस आरोपियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।

उत्तरप्रदेश की मुस्तैदी से अपनी ड्यूटी करने वाली पुलिस को सौ सौ सलाम?

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। यूं तो देश की खाकी वैसे ही किसी ना किसी कारण से बदनाम है। पर उत्तरप्रदेश की पुलिस को अपनी इस मुस्तैदी से अपनी ड्यूटी करने पर पुरस्कार देने की इच्छा हो रही है और पुरस्कार मिले भी क्यों नहीं यहां की पुलिस बिंदास होकर अपनी ड्यूटी मुस्तैदी से निभा रही है। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी खाकी के ऐसे पुलिसकर्मियों को चिन्हित कर 15 अगस्त या 26 जनवरी पर अपनी ड्यूटी मुस्तैदी से करने पर पुरस्कृत करना चाहिए। जी हां उत्तरप्रदेश की खाकी की इस तस्वीर ने सारी खाकी के साथ साथ पूरे उत्तरप्रदेश सर शर्म से झुका दिया है।

उत्तरप्रदेश के सहारनपुर के इस खाकी वाले गुण्डे ने इन्सानियत की सारी हदें पार करते हुए सारी मानवता को शर्मशार कर दिया है। इस खाकी वर्दी वाले को एक औरत के साथ साथ रंगरेलियां मनाते हुए साफ साफ देखा जा सकता है। जब राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ ने इस घटनाक्रम के बारे में पुलिस डिपार्टमेंट के आला अधिकारी से बात करनी चाही तो वो बगलें झांकने लगे और उन पर कोई जवाब नहीं देते बन पड़ा। तो क्या मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार या पुलिस डिपार्टमेंट के आला अधिकारी खाकी को शर्मशार करने वाले उक्त अधिकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई करेंगे या फिर ये शख्स पुलिस डिपार्टमेंट का नाम ऐसे ही रोशन करता रहेगा? फि लहाल ये भविष्य के गर्त में हैं।

शिक्षा विभाग में संविदा आधार पर भर्तियों को स्वीकार नहीं किया जायेगा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के राज्य स्तरीय शैक्षिक अधिवेशन का उद्घाटन समारोह राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पोकरण में अब्दुल्ला फकीर पूर्व जिला प्रमुख एवं जिला परिषद सदस्य जैसलमेर ने बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधन में कहा कि गहलोत सरकार ने कर्मचारी हित में कई महत्वपूर्ण फैसले लिये हैं जिससे सरकारी स्कूलों का आकर्षण और अधिक बढा हैं। राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के प्रदेश मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार अधिवेशन संयोजक एवं संभागीय महामंत्री नवनारायण जोशी ने बताया कि मुख्य अतिथि अब्दुल्ला फकीर ने कहा हैं कि शिक्षको ने शिक्षा में नये आयाम स्थापित कर शिक्षा को निरन्तर आगे बढाने का प्रसार किया हैं। सरकार द्वारा शिक्षा व खेलो को बढावा देने से सरकारी स्कूलों का नामांकन भी और अधिक बढा हैं। अधिवेशन में प्रदेशाध्यक्ष श्यामलाल आमेटा ने शिक्षकों की वेतन विसंगति के प्रस्तावों पर राज्य सरकार से संगठन की व्यापक स्तर पर हुई वार्ता के बाद और भी वेतन विसंगतियों के प्रकरण राज्य सरकार से गम्भीर होकर समाधान करवाने का प्रयास करवायेंगे। कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष नीरज शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार की कर्मचारियों के प्रति सहयोगात्मक भावना व कर्मचारी संगठनों, शिक्षक संगठनों से व्यापक स्तर पर वार्ता करने का प्रयास समस्या समाधान के लिए बहुत बढी पहल हैं जो आने वाले समय में सुखद परिणाम देगी। प्रदेश मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की गम्भीरतापूर्वक शिक्षा क्षेत्र में सराहनीय कार्य से नये आयाम स्थापित हो रहे हैं। छ माह में कर्मचारियों एव शिक्षकों की डीपीसी करना, व्यापक स्तर पर शिक्षकों, वरिष्ठ अध्यापकों, शारीरिक शिक्षकों, व्याख्याओं, उप प्रधानाचार्यो के पद सृजित करना एवं उन पदों पर शत प्रतिशत पदोन्नति तारिके काबिल हैं। अंग्रेजी माध्यम स्कूलों को खोलना सरकार की बहुत बडी उपलब्धि हैं। साथ ही गहलोत ने राज्य सरकार को चेताया हैं कि सरकारी महकमे में संविदा आधार पर भर्ती निजीकरण की दिशा में बढावा देने के कदम का संगठन हर स्तर पर विरोध करेगा।मीडिया प्रभारी वर्मा के अनुसार इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि, मनोहर जोशी गांधीवादी प्रचार, संगठन के उपसभाध्यक्ष शंकर सिंह राजपूत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष निहालसिंह, कोषाध्यक्ष नरेन्द्र कुमार शर्मा,प्रीति गुर्जर, हनवन्तसिंह मेडतिया, देवेश खत्री, हरि सिंह घिटाला, सतीश शर्मा, धुली राम डांगी, शिव चरण शर्मा,सविता शर्मा, ब्रजमोहन मीणा, बालकृष्ण मीणा, विनोद नैनावत, छगन भाटी, मनोहर सिंह चौहान, धर्मेन्द्र कुमार खत्री, सत्यनारायण बैरवा, ओमप्रकाश शर्मा ने भी सम्बोधित किया। अन्त में अधिवेशन संयोजक नवनारायण जोशी ने राज्य भर से आये संगठन के प्रतिनिधियो का आभार व्यक्त किया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

गारगोटी म्यूजियम के चेयरमैन के. सी. पांडेय ने प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के चिन्ह का विमोचन किया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के चिन्ह का विमोचन रायल रिसॉर्ट कल्याण मुंबई में किया गया। गारगोटी म्यूजियम के चेयरमैन के.सी पाण्डेय ने प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के चिन्ह का विमोचन करते हुए सभी पत्रकारों कों प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट में जुड़ने की अपील की है। गौरतलब हैं कि गारगोटी म्यूजियम के चेयरमैन के. सी पाण्डेय हर वक़्त देश और समाज के लिए समर्पित रहते हैं। हर धर्म समुदाय लोगों के लिए उनके दुख सुख में हर समय उपस्थित रहते हैं। के. सी. पाण्डेय कई वर्षों तक शिर्डी साईं बाबा धाम नासिक के ट्रस्टी भी रहे हैं और फौज में रहकर देश की सेवा की है। प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र कुमार पांडेय ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि उनके कर कमलों द्वारा प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के चिन्ह का विमोचन होना बहुत ही गर्व की बात है। गारगोटी म्यूजियम आज कई देशों में प्रसिद्धि प्राप्त कर रहा हैं। इसकी नींव के. सी पाण्डेय ने अपने कठिन परिश्रम से रखी हैं। विमोचन कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रकाश पंवार, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अजीत पाण्डेय भी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। के. सी पाण्डेय ने हर वक़्त देश का परचम लहराया हैं। पांडेय ने कहा कि ऐसे महानविभूति का प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट नमन करता है। हम आपको बता दें कि प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट सदैव पत्रकारों के हितार्थ समर्पित एवं कृतसंकल्पित हैं।

गहलोत सरकार का ओपीएस का फैसला ऐतिहासिक हैं: श्यामलाल आमेटा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के राज्य स्तरीय शैक्षिक अधिवेशन के खुले सत्र में राज्य भर के शिक्षकों एवं पदाधिकारियां द्वारा सर्व सम्मति से विभिन्न बिन्दुओं पर शिक्षकों की विभिन्न सेवारत समस्याओं एवं वेतन विसंगति निराकरण के प्रस्ताव संघ के प्रदेशाध्यक्ष श्यामलाल आमेटा एवं कार्यकारी अध्यक्ष नीरज शर्मा के आतिथ्य में पारित कर राज्य सरकार को भेजने का सर्व सम्मत निर्णय हुआ। शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के प्रदेश मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार संघ (प्रगतिशील) के संयोजक नवनारायण जोशी ने बताया कि संघ (प्रगतिशील) प्रदेश मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत ने अधिवेशन में पारित प्रस्तावों के सम्बन्ध में कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, भारतीय संविधान की महत्ता पर प्रकाश, शिक्षा

पाठ्यक्रम में खेलकूद को अनिवार्य विषय घोषित करने, विधवा परित्याकत्ता एवं तलाकसुदा महिला को योग्यता के आधार पर शिक्षिका एवं अन्य पदों पर सीधी भर्ती किये जाने, नेत्रहीन शिक्षकों को उनके गृह जिलो में प्राथमिकता के आधार पर नियुक्ति दिये जाने, सातवें वेतन आयोग की विसंगति के लिए गठित डीसी सामन्त कमेटी की लाभकारी सिफारिशे 1 जनवरी 2016 से लागु करवाने, तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानान्तरण करवाने, एकीकरण के तहत बन्द विद्यालयों को पुनः खुलवाने, प्रारम्भिक शिक्षा विभाग में पुरे राजस्थान में शहरी क्षेत्र में 70 प्रतिशत से अधिक रिक्त पदो को भरने, प्रयोगशाला सहायक से अध्यापक पद पर समायोजित शिक्षकों को अध्यापक के समान समस्त परिलाभ दिए जाने, पदोन्नति प्राप्त व्याख्याताओं की ग्रेड पे 5400 कर 10-20-30 के स्थान पर 9-18-27 का चयनित वेतनमान दिए। जाने माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में इस वर्ष नामांकन वृद्धि के फलस्वरूप पदों को सृजित करवाने, अप्रशिक्षित पैरा टीचर्स का मानदेय दुगुना करवाने, उप प्रधानाचार्य का नवीन कैडर बनाकर ग्रेड पे 6000 करवाने, शिक्षकों को बीएलओं एवं गैर शैक्षणिक कार्यो से मुक्त करवाने, पीडी हैड के शिक्षकों की वेतन व्यवस्था माह की पहली तारिख को सुनिश्चित करवाने, समय बद्ध पदोन्नति प्रक्रिया शुरू करवाने, राज्य सरकार द्वारा एनपीएस को ओपीएस में बदलने के ऐतिहासिक फैसले पर पारित शिक्षकों ने दो हाथ खडे कर धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया।

भीलवाड़ा में अधिवक्ता परिषद ने संविधान दिवस मनाया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा में अधिवक्ता परिषद अध्यक्ष रघुनंदन सिंह कानावत की अध्यक्षता में हरी सेवा धाम में संविधान दिवस मनाया गया।मीडिया प्रभारी पीरु सिंह गौड ने बताया कि सर्वप्रथम अधिवक्ता परिषद अध्यक्ष रघुनंदन सिंह कानावत, मुख्य अतिथि रविन्द्र जाजू, चित्तौड़गढ़ प्रांत कुटुंब प्रबोधन, विशिष्ट अतिथि कैलाश खोईवाल, भीलवाड़ा महानगर संघचालक, मुख्य वक्ता कृष्णगोपाल सोलंकी, वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर लाल विजयवर्गीय ने भारत माता व भारत के संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा समक्ष पुष्प अर्पित कर, दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इसके पश्चात कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता कृष्णगोपल सोलंकी ने संविधान के निर्माण व लागू होने के बारे में उपस्थित अधिवक्ताओं को विस्तार से बताया। भारत का संविधान दुनिया का सबसे बड़ा संविधान है। भारत के संविधान में नागरिकों को प्राप्त मूल अधिकारों का वर्णन किया गया है जो देश के नागरिक को स्वतंत्र रूप से देश में निवास करने की आजादी प्रदान करता है। वक्ता भैरु लाल बापना, गजेंद्र जोशी व रामपाल शर्मा ने बताया कि संविधान में मूल अधिकारों के साथ मूल कर्तव्यों का भी वर्णन किया गया है। संविधान के निर्माण से अब तक संविधान में हुए संशोधन के बारे में विस्तार से बताया। मुख्य वक्ता रविन्द्र जाजू ने परिवार में भोजन व भजन का महत्व समझाया। अधिवक्ता परिषद अध्यक्ष रघुन्दन सिंह कानावत ने बताया कि अधिवक्ता परिषद द्वारा भारत में परिषद की स्थापना से ही संविधान दिवस मनाया जा रहा हैं। भारत का संविधान 26 नवंबर 1949 को बनकर तैयार हुआ था 26 नवंबर 1950 से पूरे देश में अमल में लाया गया। 2015 में केंद्र सरकार ने भी 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाने की घोषणा की थी। संविधान दिवस 26 नवंबर को मानने का उद्देश्य संविधान के महत्व का प्रचार प्रसार करना व डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारो व अवधारणाओं का प्रचार करने के लिए चुना गया। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता परिषद सचिव राजेश सामरिया ने किया। इस अवसर पर अधिवक्ता परिषद कोषाध्यक्ष आदित्य नारायण जाजपुरा, रतन लाल जाट, नीरज ठाकुर, दुर्गेश शर्मा, उम्मेद सिंह राठौड़, श्याम सिंह चुंडावत, राघवेंद्रनाथ व्यास, सुरेश पालीवाल, पीरू सिंह गौड़, ओम प्रकाश लढ़ा, आजाद शर्मा, गोपाल सोनी, नीरज पाराशर, मनीष पालीवाल, धर्मवीर सिंह कानावत, अरुण देराश्री, कीर्ति सोलंकी सहित अधिवक्ता परिषद कार्यकारिणी, कई अधिवक्ता व महिला अधिवक्ता मौजूद थे। उक्त जानकारी अधिवक्ता परिषद के मीडिया प्रभारी एडवोकेट पीरु सिंह गौड़ ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

उर्स-ए-समरकंदी में देश के नामवर उलेमा होंगे शामिल

मधुबनी। सूफी संत हजरत सैयद शाह फि दा मुहम्मद अब्दुल करीम उर्फ मौलाना समरकंदी का 129वां सालाना उर्स शहर के रहमगंज मुहल्ले स्थित आध्यात्मिक स्थल के रूप में प्रसिद्ध खानकाह समरकंदिया परिसर में आध्यात्मिक गुरु हजरत सैयद शाह शमसुल्लाह जान उर्फ बाबू हुजूर की सरपरस्ती में शनिवार को शुरू हुआ जो मंगलवार तक चलेगा। सूफी मत के नक्शबंदिया सिलसिला के सूफी संत के इस चार दिवसीय उर्स के अवसर पर आयोजित जलसे की महफिल में देश के नामवर उलेमाओं की तकरीर होगी, साथ ही मुल्क के जाने माने नातिया शायरों द्वारा महफिल में चार चांद लगेगा। जानकारी के मुताबिक इस अवसर पर 28 नवंबर की रात्रि को होने वाले जलसे में तकरीबन तीन दर्जन उन छात्रों की दस्तारबंदी (दीक्षांत) की जाएगी, जिन्होंने इस खानकाह परिसर स्थित मदरसा से विभिन्न कोर्स में सफलता हासिल किया है। खानकाह के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक इस साल उर्स के अवसर पर जिन उलेमाओं के संबोधन होंगे उनमें हजरत अल्लामा मौलाना मुफ्ती सलीम अख्तर(मुंबई), खतीबे हिंदुस्तान हजरत अल्लामा मौलाना नौमान अख्तर फैक अल-जमाली नवादा मुनाज जैसे बड़े नाम शामिल हैं। अन्य उलेमाओं में हजरत अल्लामा मौलाना मुफ्ती मुतिउर रहमान (पूर्णिया), खतीब सदाबहार हजरत अल्लामा मौलाना नासिर रजा खान (बैंगलोर), काजी नेपाल हजरत अल्लामा मौलाना मुफ्ती उस्मान बरकती, हजरत अल्लामा मौलाना मुफ्ती महफि ल अशरफ(पश्चिम बंगाल) शायरे इस्लाम जमजम फतेहपुरी कारी इशहाक अंजुम जमशेदपुर आदि के नाम शामिल हैं।

तीन गांजा तस्कर गिरफ्तार

नालासोपारा। नालासोपारा में पुलिस ने दो महिलाओं सहित तीन गांजा तस्करों पर कार्यवाही की है। सभी आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुटी है। यह जानकारी पुलिस ने गुरुवार को दी है। पुलिस ने बताया कि क्राइम ब्रांच 02 वसई यूनिट ने नालासोपारा पूर्व के यादव नगर, कारगिल और शमार्वाड़ी स्थित 50 वर्षीय महिला के पास से 1 किलो गांजा (कीमत-25,000 रुपये) जप्त किया। आरोपी महिला नीरादेवी मिश्रा के ऊपर तुलिंज थाने में केस दर्ज कर लिया गया है। इसी तरह से आचोले पुलिस स्टेशन क्षेत्र के नालासोपारा पूर्व के संगम मेडिकल के पास से 37 वर्षीय राजेश कांबले के पास से पुलिस ने 700 ग्राम वजन (कीमत -14,000 रुपये) गांजा जप्त किया है। आचोले थाने में राजेश के ऊपर केस दर्ज किया गया। इसी क्रम में तुलिंज थाना क्षेत्र के सन्तोष भुवन स्थित 70 वर्षीय आरोपी महिला विमला यादव के पास से पुलिस ने 238 ग्राम वजन (2,380 रुपये) गांजा बरामद किया गया है। आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले की जांच जारी है।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

सावधान! भीलवाड़ा शहर में आप हवस के नाम पर ठगी के शिकार ना हो जाएं?

इन्द्रा मार्केट में रहने वाली लोगों से हवस के नाम पर बेवकूफ बना कर पैसे लूटने वाली इस बेशर्म औरत से सावधान?

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। सावधान! सावधान! सावधान! अगर आप राजस्थान की वस्त्र नगरी भीलवाड़ा में आ रहे हैं तो सावधान हो जाइए। क्योंकि जैसे ही आप रेलवे स्टेशन पर उतर कर बाजार में शहर की तरफ जाओगे तो वहां नजदीक ही इन्द्रा मार्केट शराब की दुकान के पास स्थित संकरी गलियों में आने जाने वाले लोगों को बेवकूफ बनाकर अपनी हवस का प्रलोभन देकर जाल में फंसाकर आपसे रुपए की लूट-पाट कर सकती हैं। यही नहीं इस बेशर्म औरत के साथ पूरी गैंग बतौर लोगों को अपने जाल में फंसाने का काम करती हैं और पैसे लूटकर झांसा देकर फरार हो जाती है। इन्द्रा मार्केट स्थित शराब की दुकान के आसपास गलियों में शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है। यह औरत अपनी हवस का झांसा देकर चिकनी चुपड़ी बातों में फंसाकर हर रोज कोई न कोई अपना नया शिकार ढूंढती हैं। इसका मकसद सिर्फ उससे पैसे लूटना होता हैं। ऐसे में इस शराब की दुकान पर कोई नया आने वाला व्यक्ति अपनी हवस की प्यास बुझाने के चक्कर में आसानी से इस औरत का शिकार हो जाता हैं। फिर इस औरत द्वारा उसके साथ सैक्सी बातें करने के साथ ही उसके लूटने का सिलसिला शुरू हो जाता हैं जो वो हजारों रुपए तक पहुंच जाता हैं। उक्त औरत शराब पीने की भी शौकीन हैं तथा वह जाल में फंसे हुए व्यक्ति को शराब के साथ साथ शबाब का प्रलोभन देकर उसे पूरी तरह से लूटने का खाका तैयार कर लेती हैं। जब वह व्यक्ति पूरी तरह इस औरत के जाल में फंस चुका होता हैं तो यह औरत उसे हर तरह से लूटने का काम करती हैं। जिसमें मोबाइल, घड़ी और बेशकीमती वस्तुएं शामिल होती हैं। इस दौरान इस औरत के आस-पास इसके गुर्गे भी मंडराते रहते हैं। यह औरत उस व्यक्ति को फुल नशे में धुत करके इसकी गैंग वालों के साथ रफुचक्कर हो जाती हैं और वो व्यक्ति नशा उतरने के पश्चात अपना सिर पीटकर अपने घर जाने को मजबूत हो जाता हैं। (जैसा एक पिड़ित ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

छात्र की बांह पर ड्रिल मशीन चलाने वाला शिक्षक नौकरी से निष्काशित

दो का पहाड़ा न सुनाने पर छात्र के लिए हैवान बना अध्यापक अध्यापक

मुंबई हलचल/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां मासूम छात्र के लिए शिक्षक हैवान बन गया उसने दो का पहाड़ा नहीं सुनाने से नाराज होकर पांचवी के इस छात्र पर ड्रिल मशीन चला दी, जिससे वह घायल हो गया। जानकारी होने पर परिवार वालों समेत अन्य बच्चों के अभिभावकों ने भी जमकर हंगामा किया, जिसके बाद शिक्षा विभाग द्वारा गठित तीन सदस्यीय कमेटी की जांच में दोषी पाए जाने के बाद उसे नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। यह मामला प्रेमनगर स्थित प्राथमिक स्कूल का है। यहां निजी संस्था के अनुदेशक अनुज ने दो का पहाड़ा न सुनाने पर पांचवीं कक्षा के छात्र विवान की बांह पर ड्रिल मशीन रगड़ दी। छात्र के परिवार वालों ने बताया कि शिक्षक के इस अमानवीय कृत्य के फलस्वरूप मशीन रगड़ने से बच्चा चुटहिल हो गया। फिलहाल इस घटना में स्वजन के हंगामे

के बाद बेसिक शिक्षा अधिकारी ने तीन खंड शिक्षा अधिकारियों की जांच कमेटी बनाई है, वहीं, संस्था आइबीटी की ओर से शिक्षक को नौकरी से निष्कासित कर दिया गया है। घटना के बारे में पीड़ित छात्र के परिजनों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक शिक्षक अनुज ने दो का पहाड़ा सुनाने के लिए कहा, पर वह सुना नहीं पाया तो शिक्षक ड्रिल मशीन चलाकर उसे बांह पर रगड़ने लगे। पास में खड़े छात्र कृष्णा ने ड्रिल मशीन का प्लग हटाया तो मशीन रुक गई, लेकिन तब तक बच्चा चुटहिल हो गया। काला निशान पड़ गया और हाथ में दर्द होने लगा। स्वजन को मामले की जानकारी हुई तो विद्यालय पहुंचकर हंगामा कर दिया। इस पर खंड शिक्षा अधिकारी प्रेमनगर और बीएसए सुरजीत कुमार ने उन्हें शांत कराया। इस बीच यह भी पता चला कि जांच में आरोपित अनुदेशक की उपस्थिति भी दर्ज नहीं मिली। शिक्षकों ने कहा कि स्कूल में पुस्तकालय का काम चल रहा था, वहीं पर बच्चा ड्रिल मशीन की चपेट में आने से चुटहिल हो गया। मामले में घटना की विभागीय जांच भी जारी है।

संविधान दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

हितेश सोनी (रामाजी गुडा)

पाली। सुमेरपुर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो,क्षेत्रीय कार्यालय, सिरोही के द्वारा पाली जिले के सुमेरपुर ब्लॉक के एच. के. हाईटेक आई.टी.आई महाविद्यालय, सिंदूरू मे संविधान दिवस पर संगोष्ठी, शपथ व भाषण प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन प्रधानाचार्य कविता गहलोत, प्राचार्य एम.सी नेहरा के आतिथ्य में आयोजित किया गया। वातार्कार बालिका फालना के प्रधानाचार्य कविता गहलोत ने कहां की देश के युवाओं को संविधान की प्रस्तावना के शब्दों को हृदय से आत्मसात कर मूल अधिकारों के साथ-साथ देश के प्रति अपने कर्तव्य निष्ठा तथा देश की एकता और अखंडता के लिए तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि संविधान प्रत्येक नागरिक को आर्थिक,सामाजिक, राजनीतिक दृष्टि से समानता प्रदान करता है। प्राचार्य इंजी.एमसी

नेहरा ने संविधान दिवस की शपथ दिलाते हुए युवाओं से कहा कि संविधान हमें कर्तव्यों का स्मरण दिलाता है। अतः हमें संविधान की आत्मा के अनुसार सदैव कर्तव्य की पालना के लिए प्रयासरत रहना चाहिए। ब्यूरो के प्रभारी अधिकारी फूलचंद गहलोत ने बताया कि संविधान सभा के प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ.भीमराव अंबेडकर के 125 वी जयंती वर्ष के रूप मे 26 नवंबर 2015 से संविधान दिवस प्रत्येक वर्ष मनाया जा रहा है। गहलोत ने बताया कि संविधान को बनाने में 2 वर्ष 11 माह 18 दिन का समय लगा। संविधान निमार्ता सभा के प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर के नेतृत्व में 26 नवंबर 1949 को संविधान देश को समर्पित किया गया। कार्यक्रम के दौरान संविधान दिवस पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया एवं विजेता प्रतिभागियों को विभाग की ओर पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अनुदेशक भरत दत्ता, रमेश कुमार, चेतक दादावत एवं महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।

संजीव एस. उपाध्याय बने (राकांपा) के मुंबई सचीव

मुंबई हलचल/अजय उपाध्याय

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में मुबई सचिव संजीव उपाध्याय को बनाया गया है। पार्टी के कार्याध्यक्ष नरेंद्र राणे ने बुधवार को इस बाबत घोषणा की। उपाध्याय पार्टी के स्थापना के समय से ही राकांपा में शामिल थे। पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मंत्री जयंत पाटील का विश्वास है कि उपाध्याय राज्य में राकांपा पार्टी के विकास के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। संजीव उपाध्याय की नियुक्ति राकांपा पार्टी की मुंबई कार्याध्यक्ष राखी जाधव के मार्गदर्शन व कुर्ला के पूर्व विधायक व तालुका अध्यक्ष मिलिंद अन्ना कांबले की संस्तुति पर की गई है। संजीव उपाध्याय को राकांपा मुंबई प्रदेश का सचिव नियुक्त किए जाने पर उत्तर भारतीय समाज के सभी राजनीतिक दलों से जुड़े नेताओं द्वारा बधाई दी जा रही है।

पयार्वास भवन में कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

भोपाल। पयार्वास भवन अरेरा हिल्स भोपाल में दो दिवसीय नि,शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन आजादी का अमृत महोत्सव स्वस्थ भारत अभियान डेंगू मलेरिया की रोकथाम कोविड-19 टीकाकरण कैंप का आयोजन कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा जिला मलेरिया अधिकारी अखिलेश दुबे जी के मार्गदर्शन में कैंप का आयोजन किया गया जिसमें शासकीय मलेरिया डिपार्टमेंट की तरफ से मलेरिया की जांच कि गई जिसमे 150 लोगों ने मलेरिया की जांच करवाई एवं डेंगू की जानकारी भी दी गई आई चेक अप प्रकाश आई हॉस्पिटल की टीम के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा आई चेकअप किया गया जिसमें लगभग 325 लोगों ने आई चेकअप करवाया डीनेशिया डेंटल

हॉस्पिटल के विशेषज्ञ द्वारा दंत से संबंधित चेकअप किया गया जिसमें 250 लोगो ने अपना चेकअप करवाया कोविड-19 की रोकथाम के लिए कोविड-19 टीकाकरण भी किया गया जिसमें 70 लोगों को टीका लगा संस्था निरंतर स्वास्थ्य पर कार्य कर रही है स्वस्थ भारत के निर्माण में सहयोग करें जिन लोगों ने अभी तक अपना टीकाकरण नहीं करवाया वह अपना टीकाकरण जरूर करवाएं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम विकासखंड फंदा कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी के अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी शेख फैयाज ने बताया संस्था निरंतर स्वास्थ्य पर कार्य कर रही है संस्था ने अभी तक 1500 से अधिक स्वास्थ्य शिविर सफलतापूर्वक आयोजित कर चुकी है सभी लोगों से निवेदन है समय समय पर अपना चेकअप जरूर कराएं स्वस्थ भारत के निर्माण में सहयोग करें एक छोटा सा प्रयास स्वस्थ जीवन का आधार एक ही संकल्प स्वस्थ भारत।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

लेजर से बालों को हटवाने के बारे में जानें कुछ जरूरी बातें

वर्तमान में कॉस्मेटिक उपचार के क्षेत्र में लेजर द्वारा अनचाहे बालों को हटाना सबसे अधिक सामान्य ट्रीटमेंट माना जाता है और यह अत्यधिक चलन में भी है। लेकिन इससे जुड़े कई सारे मिथक और संदेह इस प्रकार के ट्रीटमेंट को लेने से लोगों को हतोत्साहित करते हैं।

लेजर से बालों को हटाने को लेकर सबसे बड़ी अफवाह यह है कि इस उपचार के दौरान दर्द होता है। आइए जानते हैं इसी प्रकार के मिथक और उससे जुड़ी जानकारियों के बारे में विशेषज्ञों द्वारा :

इन बातों का रखें ध्यान

- यह सुनिश्चित करें कि लेजर से बालों को हटाने के पहले त्वचा का विश्लेषण किया गया हो।
- चिकित्सक से अपने पहले अपॉइंटमेंट पर अपनी त्वचा पर पैच परीक्षण के बारे में पूछें।
- उपचार कराने से पहले, किसी इंडोक्राइनोलॉजिस्ट के द्वारा अपनी एंडोक्राइनल समस्याओं का मूल्यांकन कराएं।
- अपने चिकित्सक की योग्यता और अनुभव के बारे में पूरी जानकारी हासिल करें।
- त्वचा के रंग और प्रकार के लिए उपयुक्त लेजर के बारे में जानकारी लें।
- पिछली बार इस्तेमाल की गई दवाइयों या इलाज के बारे में किसी भी बदलाव को लेकर अपने चिकित्सक को बताएं।
- आपके अपॉइंटमेंट से एक दिन पहले,

इलाज किए जाने वाले हिस्से को शेव अवश्य करें।

- यदि आपकी त्वचा संवेदनशील है, तो प्रक्रिया से पहले और बाद में उस हिस्से पर लगातार बर्फ रगड़ें इससे वह हिस्सा सुन्न हो जाएगा।
- आपके शरीर के चाहे किसी भी हिस्से में यह उपचार हो रहा हो, आपको हमेशा आंखों की सुरक्षा के लिए चश्मा पहनना चाहिए।

ये करें ट्रीटमेंट करवाने से पहले

- प्रक्रिया के पहले या बाद में धूप में जाने या कृत्रिम टैन पाने से बचें
- ट्रीटमेंट के लिए ऐसे क्लिनिक में न जाएं जहां कीमत से

समझौता किया जाता हो

- उपचार से पहले छह महीने तक प्लकिंग, वैक्सिंग और इलेक्ट्रोलिसिस से बचें ताकि लेजर बालों की जड़ को लक्षित कर सकें
- अपने पहले उपचार से कम से कम एक हफ्ते पहले और लेजर कोर्स की अवधि के दौरान अपनी त्वचा ब्लीच न करें
- यदि आपके चेहरे के लिए उपचार किया जा रहा है, तो मुंहासे आदि के लिए बताई गई दवा न तो खाएं और न ही लगाएं
- प्यूबर्टी और गर्भावस्था की शुरूआत में बालों को हटाने के उपचार कराने से बचें। सबसे अच्छा है कि आप गर्भावस्था तक इंतजार करें, जब तक आपका हॉर्मोन स्तर सामान्य नहीं हो जाता है
- तंग फिटिंग वाले कपड़े पहनने से बचें क्योंकि वे खुजली या जलन पैदा कर सकते हैं
- उपचार के बाद कम से कम 48 घंटे तक तैराकी, सॉना, जकुजी, स्टीम रूम, हॉट शावर या स्नान से बचें
- अपने पहले सत्र के बाद मुलायम, चिकनी त्वचा की उम्मीद न करें। किसी एक हिस्से में छह से आठ उपचार सत्रों के बाद बेहतर परिणाम मिलते हैं।

ओरल हेल्थ से जुड़ा सम्पूर्ण स्वास्थ्य

दांतों या मुंह की सफाई और हाइजीन को लेकर काफी कुछ कहा जाता रहा है। खासकर आजकल, जब हमारे खानपान के तौर-तरीकों और खाद्य पदार्थों के स्वरूप में बहुत परिवर्तन आ गया है। ऐसे में ओरल हेल्थ को लेकर सजग रहना आवश्यक है। खासकर इसलिए भी क्योंकि ओरल हेल्थ से पूरे शरीर का स्वास्थ्य जुड़ा हुआ है।

खतरनाक शुगर

मीठा खाना अगर दांतों में सड़न या कैविटीज का कारण बन सकता है तो मीठे के रोग यानी डायबिटीज की वजह से भी दांतों में तकलीफ पैदा हो सकती है। यह तकलीफ आगे जाकर अन्य अंगों को भी प्रभावित कर सकती है। मसूड़ों में होने वाली समस्या या बीमारियां अक्सर डायबिटीज के फैलाव की गति को और बढ़ा देती हैं।

बैक्टीरिया और हृदय

शोध बताते हैं कि ऐसे लोग जिनके मसूढ़ों या दांतों में समस्या बनी रहती है उन लोगों में सामान्य लोगों की तुलना में हृदय रोग होने की आशंका भी बढ़ जाती है। यह खतरा हृदयघात में भी बदल सकता है।

स्ट्रेस का असर

केवल शारीरिक तौर पर ही नहीं बल्कि मानसिक स्तर पर भी मुंह या दांतों की समस्या स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकती हैं। तनाव या स्ट्रेस के कारण दांतों का जोर से किटकिटाना ऐसी ही एक तकलीफ है जो दांतों को गंभीर क्षति भी पहुंचा सकती है। इसी तरह डिप्रेशन से पीड़ित लोगों में भी दांतों या मुंह की तकलीफों से घिरने की आशंका हो सकती है।

एनीमिया का खतरा

कमजोरी यानी एनीमिया से पीड़ित लोगों को अक्सर मुंह में दर्द और कमजोरी की शिकायत होती है। इन लोगों की जुबान सूज जाती है और बहुत मुलायम हो जाती है। इस स्थिति को ग्लॉसिटिस कहते हैं।

किडनी संबंधी परेशानी

किडनी से जुड़े गंभीर संक्रमण या बीमारियां भी दांतों पर बुरा असर डाल सकते हैं। ऐसी स्थिति में कई बार वयस्कों में दांत टूटने तक का खतरा हो सकता है।

महिलाएं और तकलीफ

मुंह या दांतों से जुड़ी समस्याओं से बड़े पैमाने पर गर्भवती महिलाएं भी जूझती हैं। ऐसी महिलाएं जिन्हें गर्भावस्था के दौरान मसूड़ों या दांतों संबंधी संक्रमण होता है उनके बच्चों के छोटे रहने या प्रीमैच्योर होने की आशंका भी बढ़ जाती है। यही नहीं दांतों की गंभीर समस्या से ग्रसित महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है।

नन्हें पैरों की पीड़ा सही समय पर दीजिए ध्यान

बच्चों के मामले में तकलीफ का सामान्य स्तर पर होना भी ज्यादा परेशानी पैदा कर सकता है। ऐसे मामलों में पीड़ा से भी अधिक समस्या बच्चे को प्राकृतिक तौर पनपने में पैदा होने वाली परेशानी को लेकर होती है। बच्चों में पैरों संबंधी तकलीफों के संदर्भ में भी यही बात सामने आती है इसलिए सजगता आवश्यक है।

जब चलना भी मुश्किल होने लगे

छोटे बच्चों के विकास का महत्वपूर्ण चरण होता है उनका चलना। चलने की शुरूआत का यह समय हर बच्चे में अलग हो सकता है। कोई बच्चा 11 माह में ही चलना शुरू कर सकता है तो किसी को एक साल से भी ऊपर का समय इस प्रक्रिया में लग सकता है। यह एक सामान्य बात है लेकिन इस समय के बाद भी चलने में मुश्किल खड़ी हो तो डॉक्टर से परामर्श लेना आवश्यक है। ठीक इसी तरह यदि बच्चा चलने या खड़े होने में टखनों और तलवों में दर्द या असहजता की शिकायत करता है तो इसे भी गंभीरता से लेने की जरूरत है। खासतौर पर अगर दर्द या तकलीफ 4-5 दिनों में साधारण उपायों से ठीक नहीं होती तो।

प्रमुख समस्याएं

बच्चों में पैरों या तलवों के दर्द और असहजता से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं और इनमें से कुछ गंभीर भी हो सकती हैं। लेकिन त्वरित और सही इलाज के साथ कई बीमारियों को ठीक भी किया जा सकता है।

बच्चों को परेशान करने वाली कुछ बीमारियां हैं-पीडियाट्रिक फ्लैट फुट: इस समस्या से ग्रसित ज्यादातर बच्चों में इसके लक्षण स्पष्ट नहीं होते। फिर भी कुछ बच्चे दौड़ने-भागने, चलने या फिजिकल एक्टिविटी के दौरान असहजता अथवा पैरों, घुटनों में दर्द महसूस कर सकते हैं। ऐसे में त्वरित इलाज और मार्गदर्शन से काफी राहत मिल सकती है।

इनग्रोन टोनेल्स: पैर के नाखून एक तरह का सुरक्षा कवच भी होते हैं और ये महत्वपूर्ण भी होते हैं। ऐसे में पैरों के नाखूनों का अंदर की ओर मुड़ा हुआ होना तकलीफदेह हो सकता है। यह परेशानी कई बार अनुवांशिक भी हो सकती है या फिर नाखूनों को गलत तरीके से काटने, बहुत टाइट जूते-मोजे पहनाने से भी यह दिक्कत पनप सकती है। ऐसी स्थिति में ध्यान न देने पर गंभीर इन्फेक्शन हो सकता है। इसलिए इस तरह के नाखूनों के लिए चिकित्सक की मदद लें।

नजरअंदाज न करें तकलीफ

इन सबके अलावा अन्य कुछ संक्रमणों, अंदरूनी कमजोरी या अनुवांशिक कारणों से बच्चे में पैरों से जुड़ी समस्या जन्म ले सकती है। यदि बच्चा लगातार पैरों में दर्द, जलन या असहजता की शिकायत करता है और उसकी शिकायत सामान्य उपायों से दूर नहीं होती तो डॉक्टर से परामर्श लेना आवश्यक है।

कैल्सिनाल एपोफाइसाइटिस : 8-15 साल तक के बच्चों को परेशान करने वाली यह समस्या एड़ियों में सूजन और दर्द पैदा कर डालती है। चूंकि इस उम्र तक एड़ी की हड्डी पूरी तरह विकसित नहीं हुई होती। ऐसे में हील पर पड़ने वाला अतिरिक्त दबाव परेशानी खड़ी कर सकता है।

प्लांटर वार्ट : पैरों में किसी भी जगह वार्ट या दाने उभर सकते हैं लेकिन पैरों के निचले हिस्से में इनका उभरना विशेषतौर पर कष्टदाई हो सकता है। ये प्लांटर वार्ट्स कहलाते हैं। ये एक तरह का वायरल इन्फेक्शन होता है जो शरीर में और भी जगहों पर पनप सकता है। ध्यान न देने पर यह त्वचा में काफी अंदर तक वृद्धि कर सकता है, जिसकी वजह से बच्चे को खड़े रहने, चलने-फिरने में तकलीफ हो सकती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

प्रभास से शादी के लिए बेताब हुई कृति सेनन

काफी समय से ऐसी रूमर्स उड़ रही हैं कि कृति सेनन और साउथ एक्टर प्रभास के बीच कुछ चल रहा है। दोनों के रिश्ते को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स का दावा है कि कृति-प्रभास को डेट कर रही हैं। दरअसल, कई मौकों पर इन दोनों की स्पेशल बॉन्डिंग देखने को मिली। आपको बता दें, इन दोनों ने फिल्म आदिपुरुष में साथ काम किया है। बस इसके बाद से ही कृति और प्रभास को लेकर उड़ रही अफवाहों को हवा मिली। जिसके बाद हाल ही में एक्टर वरुण धवन ने भी इस खबर को कंफर्म किया कि अब कृति की जिन्दगी में किसी शहजादे की एंट्री हो चुकी है। वरुण ने कहा, 'इनकी जिन्दगी में वो आ गया है, वो शहजादा आ गया है, जिसे वो आज कल डेट कर रही हैं। अब प्रभास को डेट करने की खबरों के बीच सुनने में आया है कि कृति शादी की बात कर रही हैं। आपको बता दें, एक वायरल वीडियो में कृति सेनन कहती नजर आ रही हैं कि अगर उन्हें कभी मौका मिला, तो वो प्रभास से शादी कर लेंगी। दरअसल, हाल ही में एक्ट्रेस से एक सवाल किया गया था कि वो कार्तिक आर्यन, टाइगर श्रॉफ और प्रभास में से किसके साथ शादी करना चाहेंगी? जिसके जवाब में वो बोलीं, प्रभास के साथ शादी करना चाहूंगी। वहीं, कृति के इस जवाब को सुन सभी का शक यकीन में बदल गया।

राखी सावंत ने सरेआम खोल दी सलमान खान की पोल

ड्रामा क्वीन राखी सावंत किसी ना किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। इंटरनेट पर राखी के अतरंगी वीडियो वायरल होते रहते है। बीतों दिनों शर्लिन चोपड़ा संग अपनी जुबानी जंग को लेकर राखी चर्चा में बनी हुई थी। हालांकि इस बार राखी किसी और वजह से लाइमलाइट में बनी हुई है। राखी सावंत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में राखी ने ऐसा कारनामा कर दिया है जिसे देखने के बाद हर कोई हैरान रह गया है। अपने इस वीडियो में राखी ने कुछ ऐसा किया है जिसे आजतक बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान भी खुद कुबूल नहीं कर पाए है उसे ड्रामा क्वीन ने पब्लिकली डिक्लेयर दिया है। वहीं राखी की इस हरकत पर लोग भी खुद रिएक्ट करने से रोक नहीं पाए। दरअसल, राखी सावंत ने अपने इंस्टाग्राम एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो सलमान खान की रूमर्ड गर्लफ्रेंड यूलिया वंतूर संग डांस करती दिख रही हैं। यूलिया और राखी एक पार्टी में परदेसिया सॉन्ग पर जमकर थिरकती दिख रही हैं। राखी और यूलिया के डांस से ज्यादा ड्रामा क्वीन के कैप्शन पर लोगों की नजरें अटक गई है। इस डांस वीडियो को शेयर करते हुए राखी सावंत ने कैप्शन में लिखा, ह्लस्वीटहार्ट भाभी ह्व वीडियो पर भी भाभी लिखा हुआ है और राखी ने इसी के साथ सलमान खान को टैग भी किया है।

एक बार फिर भीकू म्हात्रे बनकर लौटेंगे मनोज?

बॉलीवुड डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा की सुपरहिट फिल्म सत्या में मनोज बाजपेयी ने भीकू म्हात्रे का किरदार निभाया था। भीकू के उस किरदार को लोग आज भी नहीं भूल पाए है और मनोज के अलावा शायद की लोग इस किरदार में किसी और इमेजिन भी नहीं कर सकते हैं। वैसे तो अभिनेता ने अपने फिल्मी करियर में बहुत से दमदार रोल किए है मगर भीकू उनका सबसे बेहतरीन किरदार है। वहीं अब मनोज बाजपेयी ने सोशल मीडिया पर फैंस को एक बहुत बड़ा सरप्राइज देते हुए बताया है कि सत्या का भीकू म्हात्रे वापस आ रहा है। दरअसल, मनोज बाजपेयी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जो एक प्रोमो वीडियो है। वीडियो में मनोज बाजपेयी काफी इंटेंस लुक में दिख रहे हैं और उनके हाथ में सोने की घड़ी और बन्दूक दिखाई दे रही है। वीडियो में लिखा हुआ देखा जा सकता है कि भीकू म्हात्रे वापसी कर रहा है, वो भी बहुत जल्द। मनोज बाजपेयी ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'भीकू म्हात्रे इज बैक' इसके साथ ही एक्टर ने म्यूजिक कंपनी को टैग किया है। इस वीडियो के सामने आते ही एक्टर के फैंस काफी खुश है और वो एक्टर की पोस्ट पर कॉमेंट कर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर कर रहे हैं।